nirmaan
empowering communities

बिरजभासा की उन्नति और विकास

लाड़ला पतारका

अपरेल ते जून-2024

इंसान जब हतेरी की
रेखान में जीवन ढुढै
है, तौ समझ जाओ कै,
बाकी बाजून में
ताकत और मन में
विस्वास खतम हैगौ
है।

छापबे बारी
निरमान सुसाइटी
www.brajbhasha.org.in

Scanned with OKEN Scanner

पालनहार योजना

योजना कौ मकसद: अनाथ बच्चान के पालन-पोसन काजैं उनकी सिक्छा, भोजन, वस्त्र और अनेक सुविधा उपलब्ध करानौ है। ई योजना राज्य सरकार की तरफ ते चलाई जा रही है।

योजना काजैं योग्यता और दिये जाबे बारे लाभ:

- अनाथ बच्चा
- न्यायिक प्रिक्रिया ते मृत्यु दन्ड/आजीवन कारावास दिये गये मां-बाप की संतान।
- विधवा मां की जादा ते जादा 3 संतान।
- नाता जाबे बारी मां की जादा ते जादा 3 संतान।
- पुनरविवाह विधवा मां की संतान।
- एड्स के मारे मां-बाप की संतान।
- कुस्ट बीमारी के मारे मां-बाप की संतान।
- हात पांम ते लाचार मां-बाप की संतान।

- तलाकसुदा बईयर की संतान।

पालनहार योजना के अन्दर ऐसे अनाथ बच्चान के पालन-पोसन , सिक्छा आदि काजैं पालनहार कौ अनुदान उपल्बध करायौ जाबै है। पालनहार परिवार की सालान आय 1 लाख 20 हजार रूपये ते जादा ना हैनी चहियै।

ऐसे अनाथ बच्चा नै 2 साल की उमर पै आंगनबाड़ी केन्द्र और 6 साल की उमर पै इस्कूल भेजनौ जरूरी है।

हरेक अनाथ बच्चा ऐ पालनहार परिवार ऐ 5 साल के उमर के बच्चा काजैं हर महिना 500 रूपईया और इस्कूल में दाखिला लैबै के बाद हर महिना 1000 रूपईया दिये जामै हैं। और याके अलावा कपड़ा, जूता, सूटर अनेक जरूरत काजैं 2000 रूपईया हर साल (विधवा और नाता की श्रेणी ऐ छोडकैं) अनुदान दियौ जाबै है।

पालनहार परिवार ऐ उक्त अनुदान काजैं फार्म भरबे काजैं सहरी क्षेत्र में विभाग के जिला अधिकारी द्वारा और ग्रामीण क्षेत्र में विकास अधिकारी द्वारा स्वीकार करे जामै हैं।

Scanned with OKEN Scanner

कहानी

उधार को बोझ (तेनालीराम)

एक पोत एक कोई मजबूरी कि समस्या में तेनालीराम नै राजा देवराय ते कछू रुपुआ उधार लिये। धीरें- धीरें समय आगौ रूपया वापिस दैबेकौ। पर तेनालीराम के ढिंग रूपया लौटावे को कोई पिरबंध नाओ। तौ बानै उधार उधार चुकावे की एक तरकीव सोची।

एक दिना राजाय तेनालीराम की बईयेर की ओर ते एक पन्ना मिलौ। बा पन्ना में लिखरी तेनालीराम भौत ज्यादा बीमार है। तेनालीराम कई दिना ते दरबार में भी न आरौ। इसलिये राजा ने सोची कि मैं खुद जाकैं तेनालीराम को देखूँ। कहीं रुपयान की बजह ते कोई भानौ तौ न बनारौ। राजा तेनाली के घर पै पोंहोंचो। तो तेनाली कम्बर ओढ कैं खाट पै सोरौ। बाकी एसी स्थिति देखकें राजा नै वाकि बईयेर ते पूछी याकैं कहा हैगौ। तो बू बोली महाराज इनके दिल पै उधार कौ बोझ है ईयी चिन्ता इन्हें भीतर ते खारीय और सायद याही की वजह ते ये बीमार हैगे दीसैं। राजा ने तेनाली को तसल्ली दी और कहा तू परेसान मत हो। तू मेरी उधार मत चुकावै चिन्ता छोड़ जल्दी सही है जा। तेनालीराम खाट पै ते कूदगौ और हँस कें बोलो महाराज धन्यवाद। राजा रिसियाकें बोलौ याकौ मतलब तू बीमार नाय तू बहाने बनाकैं खाट में सोरोय। तेनीलीराम बोलो न, न महाराज मैंने तो ते झूंट न बोली। मैं तौ उधार के बोझ ते बीमारो।स तैनें जैसे ही मोय उधार ते मुक्त कर दियो तब ते मेरी सबरी चिन्ता खत्म हैगी। और मेरे ऊपर ते उधार कौ बोझ उतरगौ। या बोझै हटते ही मेरी बीमारी भी जाती रही और मैं अपने आप को सही स्वस्थ महसूस करबे लग्गौ हूँ। अब तिहारे आदेसानुसार मैं स्वतंत, स्वस्थ और खुस हूँ। सदां की तरह राजा के ढिंग कहबे कूँ कछू भी नाओ और बे तेनाली की योजना पर मुस्करा पडे।

Scanned with OKEN Scanner

भजन

चरण रज राधा प्यारी की ।

तेरी बिगड़ी बना देगी, चरण रज राधा प्यारी की ॥ [1]

तू बस एक बार श्रद्धा से, लगा कर देख मस्तक पर ।

सोयी किस्मत जगा देगी, चरण रज राधा प्यारी की ॥ [2]

दुखों के घोर बादल हों, या लाखों आंधियां आयें ।

तुझे सबसे बचा लेगी, चरण रज राधा प्यारी की ॥ [3]

तेरे जीवन के अन्धिआरों में, बन के रोशन तुझको ।

नया रास्ता दिखा देगी, चरण रज राधा प्यारी की ॥ [4]

भरोसा है अगर सच्चा, उठा कर फर्श से तुझको ।

तुझे अर्शों पर बिठा देगी, चरण रज राधा प्यारी की ॥ [5]

लिखे महिमा चरण रज की, नहीं है 'दास' की हस्ती ।

तुझे दासी बना लेगी, चरण रज राधा प्यारी की ॥ [6]

निर्माण सोसायटी

सहारई रोड़, तहसील-डीग,

जिला-भरतपुर, राजस्थान-321203

मोबाईल नं. 8696208682, 9587593455

बेबसाइट: www.brajbhasha.org.in,

www.nirmaan.org.in

ई-मेल: rajasthanlanguages@nirmaan.org.in ,
info@nirmaan.org.in

संपादक :-

सत्यवीर चौधरी

सहयोगी :-

मुकेश कुमार योगी एवं
रतन लाल योगी

Scanned with OKEN Scanner